आदर्श विद्या निकेतन

उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुचेरा

विवरणिका

डाकघर के पास, कुचेरा (नागौर)

Ph. : 01584-280652, 9414708908, 9414813600

E-mail.-avnk@gmail.com

संस्थान परिचय -

14 जुलाई 1999 के पावन प्रभात को राष्ट्र के नौनिहालों की बदलती हुई परिवेश में 21वीं सदी के अनुरुप बौद्धिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक रुप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से हिन्द पब्लिक स्कूल शिक्षा समिति का गठन किया गया।

यही संस्था कालान्तर में पल्लवित एवं फलीभूत होकर वर्तमान में सघन वट वृक्ष के रुप में ज्ञान पिपासुओं की जिज्ञासाओं को तृप्त कर रहा है।

डीडवाना रोड़ पर किराये के भवन में आरम्भ होने वाला माँ सरस्वती का पावन पुनित मन्दिर आज स्वयं के स्वामित्व वाले 5 बीघा जमीन पर विस्तारित व सुसज्जित विशाल भवन में हिन्द पब्लिक सीनियर सैकण्डरी के रुप में संचालित है।

हिन्द शिक्षा समूह, नागौर द्वारा संचालित सह-संस्थान

1. हिन्द पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल, नागौर
2. हिन्द बी.एड. कॉलेज, नागौर
3. हिन्द शिक्षण संस्थान सैकण्डरी स्कूल, आसोप (जोधपुर)
4. आदर्श विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, खींवसर
5. आदर्श विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुचेरा

संस्थावार विद्यार्थियों की संख्या

अभिभावकों के अटूट विश्वास के साथ .....

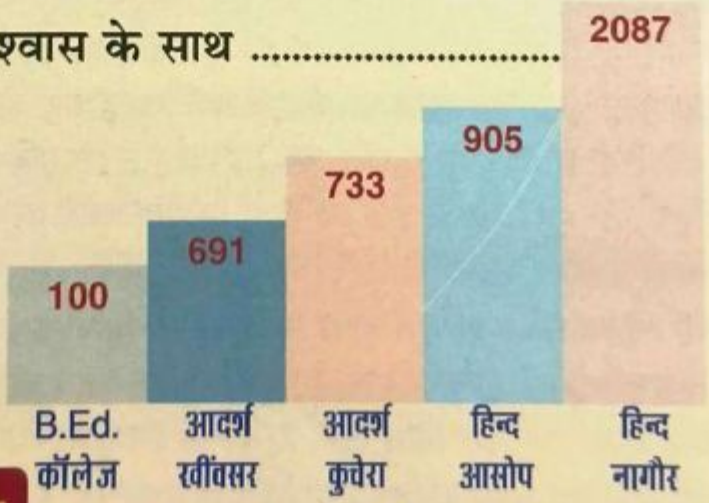

भौगोलिक स्थिति -

राजस्थान के मारवाड़ अंचल की हृदयस्थली कुचेरा शहर के बीच में डाकघर के पास एवं पब्लिक पार्क रोड़, कुचेरा में स्थित है। मुख्य बस स्टेशन से मात्र 500 मीटर पर स्थित है।

विद्यालय स्वच्छ, सुरमय वातावरण में शैक्षिक उन्नयन के उद्देश्य से शुरु किया गया। वैश्वीकरण एवं प्रतियोगिता के इस युग में यह विद्यालय आपको प्रत्येक दृष्टि से सक्षम बनाता है।

विद्यालय का भवन आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। अब हम सभी को मिल-जुलकर इस विद्यालय को शत-प्रतिशत उच्च गुणवत्ता स्तर तक पहुंचाना है। इस हेतु विद्वान, अनुभवी संकाय सदस्यों की टीम सहित सम्पूर्ण विद्यालय परिवार दृढ़ संकल्पित है।

निदेशक की कलम से .....

प्रिय विद्यार्थियों,

विद्या की देवी मां शारदे के इस पावन मंदिर में मैं आप सबका हार्दिक अभिनंदन करता हूं। मुझे आशा है कि आप सब विद्यालय के नियमों का पालन करते हुए स्वच्छ वातावरण बनायें रखेंगे एवं गुरुजनों का सम्मान करते हुए शिक्षा ग्रहण करेंगे।

शिक्षा ही मनुष्य जीवन का निर्माण करती है। शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन साक्षात् पशु तुल्य माना गया है। मात्र शिक्षित होना ही मनुष्यता की पहचान नहीं है, शिक्षित होने के साथ-साथ सुसभ्य एवं सुसंस्कृत होना नितान्त आवश्यक है। संस्कारित शिक्षा प्राप्ति हेतु इच्छाशक्ति, एकाग्रता, नियमितता, अभ्यास एवं गुरु का सम्मान इत्यादि बातों की जरुरत होती है। कहा भी गया है कि "The Limit of Man's achievement is his will" अर्थात् मनुष्य की उपलब्धियों की सीमा उसकी इच्छा शक्ति है। जिस प्रकार बूंद-बूंद से घड़ा भर जाता है, उसी प्रकार नियमित रूप से प्राप्त जानकारी हमारे विपुल ज्ञान का भण्डार बन जाती है। ज्ञान प्राप्त करने की इसी इच्छाशक्ति को किसी एक काम में केन्द्रित कर देने से संसार का कोई भी काम अधूरा नहीं रह सकता। मूर्तिकार बेडौल पत्थर को तराश कर एक खूबसूरत प्रतिमा गढ़ तो देता है, लेकिन वो पूज्य व श्रद्धेय तो प्राण-प्रतिष्ठा से ही बनती है। इसी प्रकार शिक्षक भी आपको ज्ञान की टाकियों से तराशने का काम तो करते है, मगर आप समाज में कितने सम्मान एवं श्रद्धा के पात्र बनते हैं, मंजिल तक पहुंचते हैं या नहीं यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने गुरु के ज्ञान को कितनी सावधानी से सुना, कितने विश्वास के साथ उसे आत्मसात किया और कितनी तल्लीनता से उसे दोहराया। क्योंकि अभ्यास को सफलता की कुंजी माना गया है और कहा भी जाता है कि यदि लक्ष्मी भाग्यनुसारिणी है तो विद्या अभ्यासनुसारिणी है। मुझे विश्वास है कि आप उपर्युक्त बातों को अंगीकार करते हुए अपने लक्ष्य पथ पर निरन्तर अग्रसर रहेंगे।

विद्यार्थी जीवन लौटकर नहीं आता है, उसे सहेजिए। आपके द्वारा उठाया गया प्रत्येक कदम सफलता या असफलता को इंगित करता है। सही समय पर सही दिशा में उठाया गया उचित कदम लक्ष्य प्राप्ति में अवश्य सहायक सिद्ध होगा। "Well begun is half done" अर्थात् कार्य की शुरुआत अच्छी होने पर आधी सफलता तो मिल ही जाती है। याद रखिए! जो नाविक अपनी यात्रा के अन्तिम पड़ाव को नहीं जानता, उसके अनुकूल हवा कभी नहीं चलती। तो संकल्प लीजिए, हवा के रुख को बदलिये। "'उत्तिष्ठित जाग्रतः वारान्निबोधते' अर्थात् उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। मेहनत व लगन के साथ आप अपने उच्चतम आदर्शों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे, इसी आशा में।

माणक चौधरी
निदेशक
हिन्द शिक्षा समूह, नागौर

सचिव की कलम से .....

प्रिय विद्यार्थियों,

शिक्षा पुनित विद्या है, जो विवेक में अंकुरित होकर सृजनता को जन्म देती है। इसलिए शिक्षा को प्रकाशित पुंज कहा जाता है। शिक्षा रुपी प्रकाश मानव के जीवन की धारा को अंधकार में लिप्त होने से बचाता है।

इस विद्यालय में अध्ययन करते हुए आपके भावी जीवन की सही दिशा सुनिश्चित होगी, उत्तम संकल्प और कठिन परिश्रम के बल से ही आपको अपना लक्ष्य प्राप्त करना है। स्वाध्याय के साथ-साथ विद्वतजनों से मार्ग दर्शन प्राप्त करना है। अथक श्रम ही सफलता की कुंजी है। अतः इस मूल मंत्र को जीवन में धारण करें।

आप अपने जीवन का स्वर्णिमकाल यहां व्यतीत कर रहे है आपके अभिभावकों द्वारा कर रुप में प्रदत्त धनराशि यहां आपके सर्वांगीण विकास हेतु व्यय की जा रही है। राष्ट्र की आपसे यह अपेक्षा है कि आप एक सुयोग्य एवं सफलतम नागरिक बनें।

यह विद्यालय आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक सोच सद्भाव, बड़ो के प्रति आदर, श्रद्धा व सम्मान, समय का महत्व, सादा जीवन उच्च विचार व आदर्श की प्राप्ति चहुंमुखी विकास हेतु विद्वत, शिक्षक वृन्द, विशाल सुसज्जित पुस्तकालय, उर्वर वातावरण, विशुद्ध पर्यावरण, अनुशासन आदि सभी यहां उपलब्ध है।

मेरी आपसे अपेक्षा है कि व्यक्तित्व को श्रृंगारित करने के लिए इस आदर्श विद्यालय को आदर्शतम बनाने में आपकी भागीदारी अनिवार्य है। अतः इस अध्ययन साधना में एक निष्ठ होकर उत्तम आचरण के व्रति बने। निश्चय ही आप अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त करेंगे।

रामप्रकाश
सचिव
आदर्श शिक्षण संस्थान, कुचेरा

विद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

कला संकाय

1. हिन्दी साहित्य
2. राजनीति विज्ञान
3. भूगोल
4. चित्रकला
5. गृह विज्ञान

वाणिज्य संकाय

1. लेखाशास्त्र
2. व्यावसायिक प्रबन्ध
3. आर्थिक एवं वित्तीय अध्ययन
4. कम्प्यूटर

विज्ञान संकाय

1. भौतिक विज्ञान
2. रसायन विज्ञान
3. जीव विज्ञान
4. गणित

आवेदन पत्र सम्बन्धी निर्देश

1. आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक निर्दिष्ट स्थान पर सम्बन्धित प्रभारी से जांच करवाकर आवश्यक रुप से जमा करावें।
2. आवेदन पत्र किसी भी रुप से अपूर्ण भरा हुआ स्वीकार्य नहीं होगा ।
3. आवेदन पत्र में चाही गई समस्त सूचनाओं को सही/मिथ्या रहित भरना प्रवेशार्थी का दायित्व होगा ।
4. आवेदन पत्र में गलत/मिथ्या विवरण भरने पर प्रवेश निरस्त/रद्द करने का अधिकार विद्यालय की प्रवेश समिति को होगा ।
5. प्रवेश आवेदन के साथ संलग्न प्रमाण पत्रों की सूची क्रमानुसार निम्न प्रकार होगी ।
   (अ) आवेदन पत्र
   (ब) गत वर्ष का उत्तीर्ण कक्षा की मूल अंक तालिका एवं फोटोप्रति ।
   (स) कक्षा 11 के लिए बोर्ड अंकतालिका की सत्यापित फोटोप्रति ।
   (द) गत शिक्षण संस्था से उत्तीर्ण कक्षा की टी.सी. (स्थानान्तरण प्रमाण पत्र) की मूल प्रति।
6. समय-समय पर जारी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा निर्देशानुसार प्रवेश देय होगा।
7. प्रवेश सम्बन्धी सूचना हेतु समय पर सूचना पट्ट पर अवलोकन भी करें।
8. आपका प्रवेश वरीयता सूची में होने तथा विद्यालय शुल्क जमा करवाने पर ही मान्य होगा।

वाहन सुविधा :-

शहर के दूरस्थ स्थानों व गांवों से विद्यालय पहुंचने वाले विद्यार्थियों के लिए वर्तमान में 5 बसों की व्यवस्था है। प्रत्येक बस में विद्यार्थियों के साथ एक-एक सहायक रहता है जो छोटे बालक-बालिकाओं को बस में चढ़ने-उतरने एक सड़क पार करवाने में सहायता करता है।

सह-शैक्षिक गतिविधियाँ :-

विद्यार्थियों को संस्कारित करने के लिए नैतिक, बौद्धिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास करना हमारा लक्ष्य है।

1. **सांस्कृतिक कार्यक्रम** :- सांस्कृतिक कार्यक्रम के रुप में नृत्य, एकांकी, गायन, व्यक्तित्व विकास हेतु वाद-विवाद भाषण, निबन्ध प्रतियोगिता, अन्ताक्षरी एवं बाल सभा का आयोजन किया जाता है।

2. **खेल-कूद** :- विद्यालय समय के अलावा विद्यार्थियों को हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन, ऊँची व लम्बी कूद, गोला व तस्तरी फैंकना तथा ताइक्वाडो, जूड़ो कराटा आदि प्रशिक्षण दिया जाता है।

3. **स्काउटस व गाइड** :- विद्यार्थियों में समाज सेवा एवं राष्ट्र देशभक्ति की भावना विकसित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्काउट्स एवं गाइड ग्रुपों तथा विद्यालय के विद्यार्थियों में राष्ट्रीय स्तर पर भी संस्थान अपना नाम रोशन किया।

4. **प्रार्थना सभा** :- विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों की शुरुआत छात्र-छात्राओं की निर्धारित गणवेश में ईश्वरीय प्रार्थना, समाचार वाचन, अनमोल वाचन, प्रेरक प्रसंग आदि से होती है।

5. **पुस्तकालय एवं वाचनालय** :- विद्यालय भवन में स्थित पुस्तकालय में विशिष्ट संग्राहित ग्रंथ, संदर्भ पुस्तकें व पाठ्य पुस्तकें संग्रहित है जो न केवल संख्या बल्कि ज्ञान की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। विभिन्न विषयों से सम्बन्धित वार्षिक, अर्द्धवार्षिक, त्रैमासिक, विशिष्ट सामान्य पत्रिकाएं व दैनिक गतिविधियों एवं सामान्य जानकारी हेतु राष्ट्रीय, राज्य, स्थानीय समाचार पत्र विभिन्न भाषाओं में पाठकों के लिए उपलब्ध है।

विद्यालय अनिवार्यता नियम :-

1. अनुशासन बनाये रखना ।
2. नियमित रुप से कक्षाओं की उपस्थिति ।
3. विद्यालय की निर्धारित गणवेश में ही आना होगा ।
4. विद्यालय परिसर में मोबाईल फोन रखना एवं प्रयोग करना वर्जित है।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. निर्धारित गणवेश में बस्ता लेकर समय पर विद्यालय पहुंचे।
2. गुरुवार को विद्यालय पोशाक में छूट रहेगी परन्तु पाश्चात्य ढंग से परिधान पहनने की अनुमति नहीं होगी।
3. विद्यालय परिसर में हिन्दी भाषा का प्रयोग करें।
4. कक्षा कार्य एवं गृह कार्य प्रतिदिन अनिवार्य रूप से पूर्ण करें तथा विषयाध्यापक से नियमित जांच करवायें।
5. विद्यार्थी अपना टिफिन साथ में लायें, मध्यान्तर में बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
6. उपस्थिति का ध्यान रखें। बिना छुट्टी स्वीकार करवाये लगातार तीन दिन अनुपस्थित रहने पर विद्यार्थी का नाम पृथक कर दिया जाएगा।
7. छुट्टी स्वीकार करवाने के लिए प्रार्थना पत्र मय अभिभावक के हस्ताक्षर कक्षाध्यापक को प्रस्तुत करना होगा। अभिभावक के हस्ताक्षर के बिना प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
8. विद्यालय नियमों व अनुशासन का पालन नहीं करने पर विद्यार्थी को नोटिस देकर निष्कासित किया जायेगा।
9. निष्कासित व नाम पृथक किये गये विद्यार्थी को पुनः प्रवेश तभी दिया जायेगा जब वह अभिभावक को साथ लेकर विद्यालय में उपस्थित होकर संस्था प्रधान के नाम प्रार्थना पत्र मय पुनः प्रवेश शुल्क 100 रुपये जमा करायेगा ।
10. प्रथम टंकार बजते ही विद्यार्थी अपनी कक्षा में बैठेंगे तथा दूसरी टंकार बजने पर प्रार्थना स्थल पर क्रमबद्ध एवं कतारबद्ध रूप में पहुंचेंगे, इसी प्रकार कक्षाओं में पंक्तिबद्ध लौटेंगे।
11. साइकिल व अन्य कोई वाहन लेकर आने वाले विद्यार्थी अपना वाहन विद्यालय वाहन स्टेण्ड पर व्यवस्थित खड़ा करेंगे।

अभिभावकों से अपील :-

1. विद्यार्थी की दैनिक गतिविधियों पर नजर रखें।
2. छात्र/छात्रा की अनर्गल बातों में नहीं आकर विद्यालय से सम्पर्क करें।
3. इस बात का ध्यान रखें कि छात्र/छात्रा निर्धारित गणवेश में सही समय पर विद्यालय पहुंचे।
4. गृह कार्य एवं लिखित कार्य का प्रतिदिन अवलोकन करें।
5. छात्र/छात्रा की प्रगति रिपोर्ट देखें तथा कमियों से हमें अवगत करावें।
6. विद्यार्थी की शुल्क यथा समय जमा करवायें।
7. शिक्षक अभिभावक की प्रति माह के अन्तिम दिवस को बैठक (मीटिंग) होती है जिसमें उपस्थित होकर हमें अनुग्रहित करें।
8. संस्था प्रधान का पत्र मिलने पर तुरन्त सम्पर्क करें।
9. विद्यालय में आयोजित होने वाली सहगामी गतिविधियों में अपनी सहभागिता बढ़ायें।
10. छात्रावास एवं विद्यालय में सुधार हेतु आपके सुझावों का सदा स्वागत है।

विद्यालय गणवेश :-

छात्रों के लिए - कोका कोला रंग की पेन्ट, क्रीम कलर का हाफ बाजू शर्ट, ब्राऊन कलर जूते (पॉलिश वाले) कोका कोला रंग के जुराब (मौजे) आदि।

छात्राओं के लिए (कक्षा 8 तक) - क्रीम कलर का हाफ बाजू शर्ट, कोका कोला रंग की स्कर्ट/ट्यूनिक, काला हेयर बैण्ड/रिबन, कोका कलर के जूते व सफेद कलर के जुराब (मौजे) आदि।

कक्षा 9 से 12 तक - लाल सफेद चौकड़ी की हाफ बाजू का कुर्त्ता, सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा, काला हेयर बैण्ड/लाल रंग का रिबन, सफेद रंग के जूते व जुराब आदि ।

छात्रावास

प्रवेश :

1. विद्यालय में अनध्ययनरत छात्र को ही प्रवेश दिया जायेगा।
2. विवरणिका में संलग्न छात्रावास फार्म भरकर कार्यालय में जमा करवाना होगा। प्रवेश रिक्त स्थान होने पर ही दिया जायेगा।
3. कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्रों को छात्रावास में प्रवेश दिया जाता है।

आवास व्यवस्था :-

छात्रावास में कक्षा 1 से 5, 6 से 8, 9 से 11 तथा कक्षा 12 के छात्रों को अलग-अलग चार समूहों में बांटकर रखा जाता है तथा कक्षानुसार कमरे आवंटित किये जाते हैं। उच्च कक्षाओं के छात्रों को बैड के साथ एक टेबिल सैट भी आवंटित किया जाता है। छात्रावास में बैड, पंखे, आलमारी,, लाईट, तेल, साबुन, पानी के मटके आदि सामान प्रबंध समिति द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। छात्रों के कपड़ों की धुलाई धोबी से करवायी जाती है।

भोजन व्यवस्था :-

1. विद्यालय भवन से अलग एक विशाल भोजनालय है, जिसमें छात्र एक साथ बैठकर सामूहिक भोजन करते हैं।
2. छात्रावास में रहने वाले छात्रों को सन्तुलित, शाकाहारी पौष्टिक आहार दिया जाता है।
3. भोजन के समय छात्रों के साथ अध्यापकगण भी रहते हैं ताकि छात्रों की रूचि के अनुसार समय-समय पर भोजन व्यवस्था में आवश्यक परिवर्तन किया जा सके।
4. भोजन के लिए बर्तन (थाली, गिलास, कटोरी आदि) भोजनालय में उपलब्ध करवाये जाते हैं तथा बर्तनों की सफाई कर्मचारी द्वारा की जाती है।
5. प्रतिदिन दो बार खाने के अलावा एक बार अल्पाहार दिया जाता है।

मनोरंजन एवं खेल व्यवस्था :- 1. नियमित अध्ययन व्यवस्था के अतिरिक्त छात्रों के ज्ञानार्जन एवं मनोरंजन हेतु छात्रोपयोगी फिल्में भी दिखाई जाती है। यह सभी फिल्में शिक्षाप्रद होती है।

2. छात्रों के वाक-कौशल्य विकास हेतु प्रत्येक रविवार को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाता है।
3. निर्धारित समय पर छात्रों की रूचि एवं विद्यालय व्यवस्था के अनुसार खिलाये जाते हैं।

अतिरिक्त शिक्षण व्यवस्था :-

छात्रावास में रहने वाले छात्रों को विद्यालय समय के अलावा शिक्षकगण द्वारा 5 घण्टे अतिरिक्त अध्ययन करवाया जाता है।

प्राथमिक चिकित्सा :-

1. छात्रावास प्रभारी के पास सामान्य बीमारी की प्राथमिक चिकित्सा हेतु चिकित्सक के परामर्श के अनुसार चिकित्सा किट रहेगा।
2. प्राथमिक चिकित्सा के अलावा अन्य चिकित्सा व्यय (खर्च) अभिभावक को वहन करना होगा।

आवश्यक सामग्री :-

छात्रावास में प्रवेश के समय छात्र को निम्नलिखित सामग्री साथ लानी होगी -

1. दैनिक उपयोगी वस्तुएं - विद्यालय गणवेश, कांच, कंघा, तौलिया, मंजन-पेस्ट, टूथ ब्रुश, नेलकटर, स्लीपर, जोड़ी, सूई-धागा, बूट पॉलिस, ब्रुश, अण्डर वियर, बनियान (सफेद रंग) आदि।
2. बिस्तर - गद्दा (पतना) मय सफेद खोली, चादर, खेसला, तकिया, रजाई आदि।
3. अभिभावक के कहने पर छात्र को आवश्यक सामग्री छात्रावास प्रभारी द्वारा उपलब्ध करवायी जा सकगी। जिसका भुगतान अभिभावक को अग्रिम करना होगा।

अभिभावकों के लिए निर्देश :-

1. छात्रावास में प्रत्येक कक्षा के लिए स्थान सीमित है अत: भली प्रकार सोच-समझकर छात्र को प्रवेश दिलायें। प्रवेश देने व हाउस नम्बर आवंटित कर देने के बाद जमा राशि वापिस नहीं लौटायी जायेगी।
2. छात्रावास में रहने वाले छात्र से फॉर्म में वर्णित प्राधिकृत व्यक्ति से ही मिलाया जायेगा।
3. छात्र से रविवार को प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक ही व्यक्तिगत या फोन पर मिलाया जा सकेगा।
4. विद्यालय में अवकाश के समय छात्र को घर भेजा जायेगा जिसकी पूर्व सूचना अभिभावक को दी जायेगी।
5. छुट्टी के अलावा छात्र को घर नहीं भेजा जायेगा यदि किसी आवश्यक व अपरिहार्य परिस्थिति में संरक्षक छात्र को घर ले जाना चाहे तो स्वयं छात्रावास अधीक्षक से सम्पर्क कर छात्र को छुट्टी दिला सकेगा।
6. विद्यालय अवकाश के बाद किसी कारणवश छात्र निर्धारित तिथि तक नहीं लौटता है तो अभिभावक को इसके संबंध में छात्रावास अधीक्षक को सूचना देनी होगी।
7. यदि कोई छात्र विद्यालय अथवा छात्रावास की सम्पति को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाने का दोषी पाया गया तो उसकी क्षतिपूर्ति अभिभावक को तत्काल करनी होगी।
8. यदि आपके बच्चे में कोई बुरी आदत अथवा लत हो तो स्पष्ट रूप से छात्रावास प्रभारी को अवगत करायें ताकि छात्र को उससे मुक्ति दिलाने का यथा सम्भव प्रयास किया जा सकें।
9. छात्रावास में छात्रों की पूरी सुरक्षा एवं देखभाल की जाती है। किसी प्रकार की आकस्मिक अथवा दैविक प्रकोप के कारण हुई दुर्घटना अथवा क्षति होने पर विद्यालय अथवा छात्रावास का कोई कर्मचारी या प्रबंध समिति उत्तरदायी नहीं होगी।
10. यद्यपि छात्रावास में छात्रों को पूरी सुरक्षा तथा देखभाल की जाती है तथापि कोई छात्र यदि छात्रावास से बिना अनुमति अथवा सूचना के छात्रावास छोड़ देता है तो विद्यालय अथवा छात्रावास प्रभारी उत्तरदायी नहीं होंगे। हमारा उत्तरदायित्व केवल उसके अभिभावकों को सूचित करने तक सीमित है।
11. छात्रावास में नकद रुपये अथवा मूल्यवान वस्तु आदि रखना सख्त मना है। यदि कोई छात्र इस प्रकार की वस्तु रखेगा तो उसके गुम होने अथवा नष्ट होने पर छात्रावास प्रभारी उत्तरदायी नहीं होंगे।

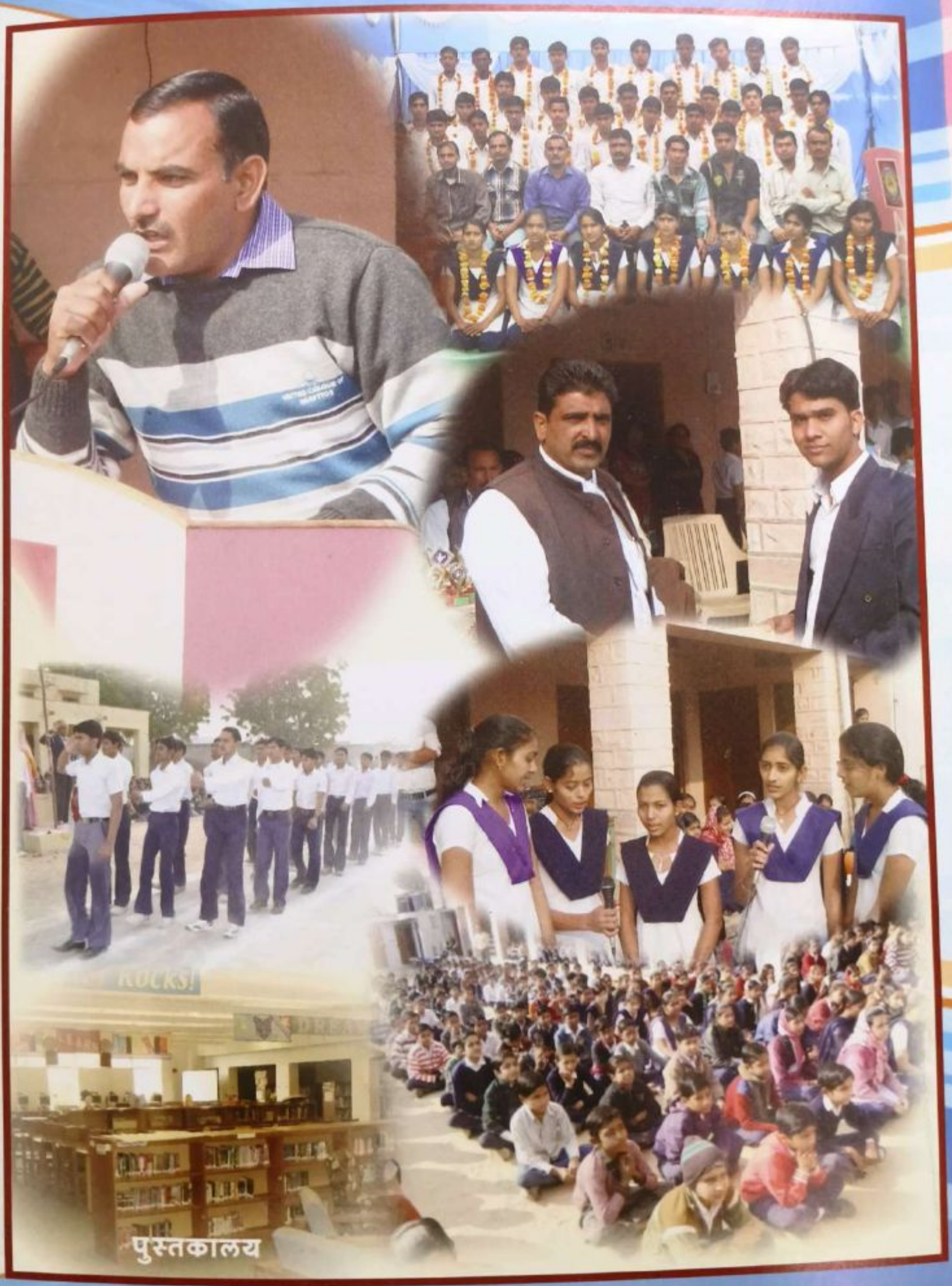
पुस्तकालय

मुख्य संस्थान हिन्द पब्लिक सी.सै. स्कूल, नागौर

कला संकाय में 3rd जिला मैरिट

दसवीं में राज्य स्तरीय 18वीं एवं जिला स्तरीय 3rd मैरिट

हिन्द शिक्षा समूह द्वारा संचालित सह-संस्थाऐ

हिन्द पब्लिक सी.सै.स्कूल, नागौर

हिन्द बी.एड. कॉलेज, नागौर

आदर्श विद्या निकेतन सी.सै. स्कूल, खींवसर

हिन्द शिक्षण संस्थान सैकण्डरी स्कूल, आसोप

मुद्रक : बालाजी ऑफसेट प्रिन्टर्स, डीडवाना ☎ 220251